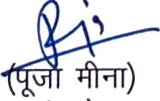



उनवान:- हरि बनाम संतोष वगै०
प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा
फर्द अहकाम

दिनांक	फर्द अहकाम
2 ⁵ / ₂₅	<p>प्रार्थी की ओर से श्री हसराम गूर्जर एडवोकेट ने प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 212 रा0टि0एक्ट के तहत प्रस्तुत किया गया। अवलोकन किया गया। प्रार्थी की एक पक्षीय बहस सुनी गई। प्रार्थी की एकपक्षीय बहस पर मनन किया पत्रावली का अवलोकन किया। प्रार्थी वकील ने अपनी बहस में कथन किया है कि प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजयात में अप्रार्थीगण को निर्माण व रहन व्यय करने पर आमदा है इसलिये अप्रार्थीगण को पाबन्द किया जावे। बहस तथा प्रार्थना पत्र का मनन व अवलोकन किया गया, मनन उपरान्त पाया गया कि सायल ने प्रार्थना पत्र में कुल खसरा किता 6 किस्म चारागाह से बेदखल करने का अनुतोष चाहा गया है, वर्णित आराजीयात कुल किता 6 में से कौन-कौन से खसरा नम्बरान से सायलान को बेदखल किया जा रहा है, का उल्लेख प्रस्तुत प्रार्थना पत्र बहस में उल्लेख नहीं किया है। प्रार्थी द्वारा इस संबध में साक्ष्य/दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किये हैं। इसलिये अंतरिम अस्थायी निषेधाज्ञा जारी करने की अत्यावश्यक प्रकृति को सिद्ध नहीं करने से अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार नहीं की जाती है अतः अप्रार्थीगण को बिना सुनवाई का अवसर दिये बिना अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाना उचित नहीं पाते हैं। अतः प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थीगण को जरिए तहसीलदार एवं तहसील क्षेत्र से बाहर के नोटिस जरिए रजिस्टर्ड ए.डी. से तलब होकर पत्रावली दिनांक 03.06.2025 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">  (पूजा मीना) उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर टोडाभीम जिला करौली </p>
3 ⁶ / ₂₅	<p>पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वकील उपस्थित अप्रार्थी नं० 1 की ओर से ही संतोष मीना ने स्वयं उपस्थित होकर आदिशिका पर इजाजत लिये हुए सुनवाई नं० 2 की ओर से संतोष वसुंधर उपस्थित वारि जायाव दिनांक 25/6/25 को पेश है।</p> <p style="text-align: right;">  संतोष मीना </p>

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलेक्टर टोडाभीम जिला
 फर्द अहकाम

दिनांक

31/10/25

वादी वकील/वकील उमय पक्ष उपस्थित
 पीठासीन अधिकारी...
 पत्रावली गतानुसार दिनांक...
 को पेश हो।

12/12/25

वादी वकील/वकील उमय पक्ष उपस्थित
 पीठासीन अधिकारी...
 पत्रावली गतानुसार दिनांक...
 को पेश हो।

20/1/26

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थना प्रार्थी वकील कोर्ट
 उपस्थित नहीं। बार-2 कावाच दिनांक गरी
 कोर्ट वावजूद भी कोर्ट उपस्थित नहीं शक्ति
 प्रार्थना पत्र प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अदालती
 लिखे गये अथवा पेश की अथवा धारित में रखा
 किया जाता है। पत्रावली पेशता अथवा होकर
 नष्ट हो कर शक्ति रक्षित है।

[Faint, illegible text and stamps at the bottom of the page]